INDEX

Sr. No.	Topic	Page No.
1	आंकलन का अर्थ	
2.	अधिगम के लिए आंकलन	
3.	अधिगम के लिए आंकलन का रिकॉर्ड	
4,	विद्यालय क्रियाएं	

आंकलन का अर्थ किसी व्यक्ति या समूह के बारे में सुचना संग्रहण, विश्लेषण और उसका अर्थ निकालने की प्रक्रिया से है जिस से किसी व्यक्ति के बारे में अनुदेशनात्मक निर्णय लिए जा सकें। यह एक अध्यापक को विद्यार्थी की उपलब्धि को जानने, अधिगम में हो रही कठिनाई और उसके कारणों को जानने में सहायता करता है, जिससे वह उपयुक्त नैदानिक शिक्षण योजना बना सके। आंकलन के मुख्य दो प्रकार हैं

1. **अधिगम का आंकलन** – यह पारम्परिक तरीका है जो किसी इकाई की समाप्ति के बाद किया जाता है। इसे योगात्मक आंकलन भी कहा जाता है। इसमें केवल उपलब्धि स्तर का पता चलता है।
2. **अधिगम के लिए आंकलन** – यह शिक्षण के दौरान किया गया आंकलन है , जो की विद्यार्थी कैसे सीखते हैं पर केन्द्रित है। यह विद्यार्थियों के सीखने के दौरान आने वाली समस्याओं का समाधान करने में मदद करता है। यह मुख्यतः उपचारात्मक होता है।

स्कूल में किये गये 16 हफ्ते के शिक्षण के दौरान विद्यार्थियों का समय –समय पर अधिगम के लिए आंकलन किया गया। दोनों विषयों का अलग-अलग 4 बार आंकलन किया गया। जिसका एक रिकॉर्ड बनाया गया और उसका विश्लेषण किया गया। जिससे विद्यार्थियों की अधिगम परेशानियों का पता चला और फिर उनका निराकरण किया गया।

अधिगम के लिए आंकलन का रिकॉर्ड रखा गया है जो इस प्रकार है :-

विषय : हिंदी   कक्षा =8

क्रम संख्या	**विद्यार्थी का नाम**	**प्रथम आंकलन**	**द्वितीय आंकलन**	**तृतीय आंकलन**	**चतुर्थ आंकलन**
1	अंजु	30/50			
2	निशा	36/50			
3	राहुल	42/50			
4		34/50			
5					
6					
7					
8					
9					
10					
11					
12					
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
21					
22					

23					
24					
25					
26					
27					
28					
29					
30					
31					
32					
33					
34					

प्रथम आंकलन :

कुल विद्यार्थी : 34

उपस्थित :34

अनुपस्थित :0

क.श.	**प्राप्तांक**	**विद्यार्थियों की संख्या**
1	0-10	01
2	11-20	09
3	21-30	13
4	31-40	10
5	41-50	01

निष्कर्ष : 1 विद्यार्थी के अंक निम्नतम रहे और 9 अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षण अधिगम में काफी कठिनाइयाँ आ रही थी । सभी की अधिगम कठिनाइयों के अनुसार उपचारात्मक शिक्षण दिया गया ।

द्वितीय आंकलन

कुल विद्यार्थी : 34

उपस्थित :34

अनुपस्थित :0

क.श.	प्राप्तांक	विद्यार्थियों की संख्या
	0-10	01
	11-20	06
	21-30	15
	31-40	09
	41-50	03

निष्कर्ष : 1 विद्यार्थी के अंक निम्नतम रहे और 6 अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षण अधिगम में काफी कठिनाइयाँ आ रही थी । सभी की अधिगम कठिनाइयों के अनुसार उपचारात्मक शिक्षण दिया गया ।

विषय: सामाजिक अध्ययन कक्षा =8

क्रम	**विद्यार्थी का नाम**	**प्रथम आंकलन**	**द्वितीय आंकलन**	**तृतीय आंकलन**	**चतुर्थ आंकलन**

संख्या					
1	अंजु	30/50			
2	निशा	36/50			
3	राहुल	42/50			
4		34/50			
5					
6					
7					
8					
9					
10					
11					
12					
13					
14					
15					
16					
17					
18					
19					
20					
21					
22					
23					
24					
25					
26					
27					
28					
29					
30					
31					
32					
33					
34					

प्रथम आंकलन :

कुल विद्यार्थी : 34

उपस्थित :34

अनुपस्थित :0

क.श.	**प्राप्तांक**	**विद्यार्थियों की संख्या**
1	0-10	01
2	11-20	09
3	21-30	13
4	31-40	10
5	41-50	01

निष्कर्ष : 1 विद्यार्थी के अंक निम्नतम रहे और 9 अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षण अधिगम में काफी कठिनाइयाँ आ रही थी । सभी की अधिगम कठिनाइयों के अनुसार उपचारात्मक शिक्षण दिया गया।

द्वितीय आंकलन

कुल विद्यार्थी : 34

उपस्थित :34

अनुपस्थित :0

क.श.	प्राप्तांक	विद्यार्थियों की संख्या
	0-10	01
	11-20	06
	21-30	15
	31-40	09
	41-50	03

निष्कर्ष : 1 विद्यार्थी के अंक निम्नतम रहे और 6 अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षण अधिगम में काफी कठिनाइयाँ आ रही थी । सभी की अधिगम कठिनाइयों के अनुसार उपचारात्मक शिक्षण दिया गया।

विद्यालय क्रियाएँ

प्रार्थना सभा :-

प्रार्थना सभा से अर्थ है - विद्यार्थियों और सभी अध्यापकों का एक स्थान पर एकत्रित होना। जिससे सामान्य विद्यालय की क्रियाएँ शुरू हो जाती हैं। प्रार्थना सभा विद्यालय की एक अच्छी विशेषता है। जिसमे विद्यार्थियों की योग्यताओं को बाहर निकाला जा सकता है। प्रार्थना सभा के माध्यम से विद्यालय की संपूर्ण व्यवस्था एक - दूसरे के संपर्क में आती है।

गायत्री मन्त्र :-

ओउम् भूर्भवः स्व।
तत्सवितुर्वरेण्यम्
भर्गो देवस्य धीमहि
धियो यो नः प्रचोद्यात ॥

भावार्थ :-

सर्वव्यापक और सर्वप्रकाशक मन मांगे पदार्थ सुख शान्ति और पूर्ण आनंद तथा मुक्ति की प्राप्ति के लिए हम सब पर कल्याण होते और चारों ओर से सुख दृष्टि करें। हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की तरफ प्रेरित करें।

प्रार्थना

तुम्ही हो माता पिता तुम्ही हो
तुम्ही हो बंधु सखा तुम्ही हो
तुम्ही हो - - - - - - - -

तुम्ही हो साथी, तुम्ही सहारे
कोई ना अपना शिवा तुम्हारे
तुम्ही हो नैया, तुम्ही खिवैया,
तुम्ही हो बंधु, सखा तुम्ही हो।
ना हमें बल है, ना हम में शक्ति
ना हममें विद्या ना, हममें शक्ति
तेरे ही दर के हम पुजारी

जो खिल सके ना, वो फूल हैं हम,
तुम्हारे चरणों की धूल हैं हम,
दया की दृष्टि सदा ही रखना
तुम्ही हो - - - - - - - - - - - -

तुम्ही हो माता - पिता तुम्ही हो
तुम्ही हो बंधु सखा तुम्ही हो
तुम्ही हो - - - - - - - - - - - - - - - - - -

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय गान

जन - गण - मन अधिनायक जय हे,
भारत - भाग्य विधाता ।

पंजाब, सिन्ध, गुजरात, मराठा
द्राविड़ उत्कल बंगा.

विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि तरंगा

तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीष मांगे,

गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता

जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे ।।

आज का विचार

" कल पर कभी भी विश्वास
मत करो, और आज पर कभी
भी भरोसा कम ना होने दो"

समाचार

(1) शराब का कारोबार करना मौलिक अधिकार नहीं
(सुप्रीम कोर्ट)

(2) किसानों से जुड़ी सूचनाओं के लिए बनेगा हेल्प डेस्क
(धनरक्ष)

(3) सांसदों को दूसरा पेशा अपनाने के लिए नहीं रोक सकते।
(सुप्रीम कोर्ट)

(4) जीएसटी में बाधा बने ट्रांसपोर्टर।

(5) पेस ने जीता सत्र का पहला खिताब

(6) हर किसी को रसोल की कमी पूरी करने की जरूरत नहीं – गंभीर

(7) कवानी के दम पर पेरिस सेंट जर्मन फिर चैंपियन।

प्रार्थना सभा के लाभ :-

(1) प्रार्थना सभा में सभी विद्यार्थियों व अध्यापक एक साथ एकत्रित होते हैं। जिससे सभी को एकरूपता महसूस होती है।

2) विभिन्न विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर बोलने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

3) अच्छे दिन की शुरुआत।

Scanned with CamScanner

Peroid TIME	VI - A	VI - B	VII - A	VII - B	VIII - A	VIII - B
PEROID - 1st 11:30 - 11:55 AM	Science	Physical Science	Hindi	English	Physical Science	math.
PEROID - 2nd 11:55 - 12:20 PM	Math	Hindi	Physical Science	Hindi	English	Physical
PEROID 3rd 12:20 - 12:40 AM	English	math	math	S.S.T	Math	English
PEROID 4th 12:40 - 1:00 PM	Hindi	English	Computer	Math	Hindi	Life Science
PEROID 5th 1:00 - 1:20 PM	maths	Computer	English	Physical Science	math	math.
PEROID - 6th 1:20 - 1:40 PM	SST	math	S.S.T	math	computer	ECO.
PEROID - 7th 1:40 - 2:00 PM		S.S.T	math	S.K.T	ECO	Hindi

Scanned with CamScanner

(4) विद्यार्थियों के विचारों में शुद्धता।

(5) प्रार्थना सभा के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विद्यार्थियों को शैक्षिक ज्ञान दिया जाता है।

(6) धार्मिक व नैतिक शिक्षा के विकास में प्रार्थना सभा अहम भूमिका निभाती है।

समय - सारिणी :-

समय सारणी योजना का एक महत्वपूर्ण तत्व है उद्देश्यों का निर्धारण कर लेने के पश्चात आवश्यकतानुसार समय सारिणी बना लेनी चाहिए जिसमें समय पर कार्य योजनाबद्ध तरीके से किया जा सके। समय सारिणी एक विद्यालय के दर्पण के समान है जो शैक्षिक योजना का प्रदर्शन करती है।

परिभाषा :-

'एच जी स्टीड के अनुसार'

"समय सारिणी के द्वारा काम की रूप रेखा तैयार की जाती है। और यह एक साधन होता है जिसके द्वारा स्कूल का संचालन होता है।

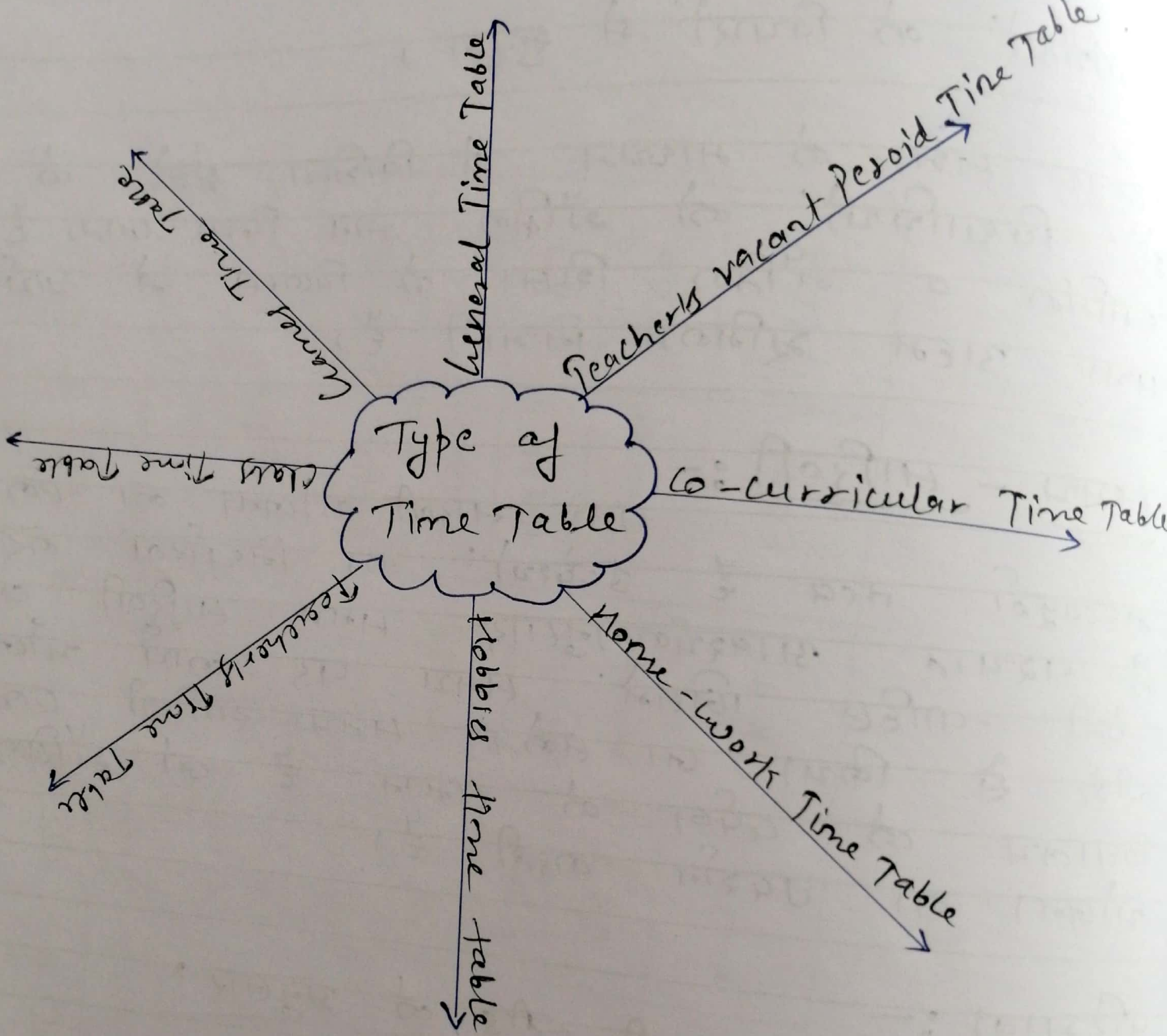

Scanned with CamScanner

समय सारणी की आवश्यकता और महत्व;-

(1) स्कूल का कार्य बिना किसी बाधा के चलने लगता है
(2) समय - सारिणी से सभी अध्यापकों के काम का विभाजन उचित ढंग से हो जाता है।
(3.) इसके द्वारा प्रत्येक विषय पर उचित रूप से ध्यान दिया जा सकता है।
(4.) यह समय और शक्ति के अपव्यय को रोकता है।
(5.) विद्यार्थियों की शारीरिक और मानसिक आवश्यकताओं के आधार पर विकास पर बल दिया जाता है।
(6.) यह स्कूली जीवन को विधिवत बनाता है।
(7.) समय - सारिणी को देखकर एक स्कूल के दर्शन व आदर्शों का अनुमान लगाया जा सकता है।

समय -सारिणी के प्रकार;-

स्कूल की प्रगति को विभिन्न कोणों से देखा जा सकता है केवल शिक्षा ही नहीं, अपितु अनेक क्रियाएँ भी समय - सारिणी में शामिल की जाती है। एक ही प्रकार की योजना विद्यालय के बारे में संपूर्ण जानकारी नहीं दे सकती इसलिए विभिन्न क्रियाओं को सुनियोजित रूप से चलाने के लिए अलग -2 समय - सारिणी बनाई जाती हैं।

(I) विद्यालय की सामान्य समय सारिणी;-

Scanned with CamScanner

इस समय सारिणी में विद्यालय की समूची योजना होती है, जिसे देखकर हम कार्यरत अध्यापकों की संख्या, विषय के अनुसार अध्यापक के नाम व उनके कालांश, पाठ्य-पुस्तक, विद्यालय का समय, कक्षाओं और कक्षाओं में उपस्थित छात्रों की पूरी जानकारी प्राप्त हो जाती है।

(II) कक्षा की समय सारिणी ;-

स्कूल की सभी क्रियाओं की योजनाबद्ध रूप से समय - सारिणी बनाई जाती है। कक्षा की समय - सारिणी में उस कक्षा से संबंधित पूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

(III) अध्यापकों की समय - सारिणी ;-

इस समय - सारिणी से प्रत्येक अध्यापक को अपने कक्षा व कालांशों का पता होता है। जिसकी एक प्रति स्टाफ कक्ष में, दूसरी मुख्याध्यापक के कार्यालय में होती है। जिसमें अध्यापक अपने समय - समय पर करवाई जाने वाली गतिविधियों व खाली कालांश में ज्ञानात्मक विकास को समृद्ध कर सकता है।

(IV) खेलों की समय - सारिणी ;-

सामान्य समय - सारिणी के आधार पर विभिन्न कक्षाओं के खेल संबंधित कालांशों को भी समय - सारिणी में प्रदर्शित किया जाता है। जिससे खेल प्रशिक्षक व

Scanned with CamScanner

बच्चों के बीच अंतः क्रिया पूर्ण हो सकती है क्योंकि खेल प्रत्येक आयु, शारीरिक योग्यता क्षमता के आधार पर ही करवाए जा सकते हैं।

(V) विषयों की समय-सारिणी :-

इस समय-सारिणी का निर्माण इसलिए किया जाता है ताकि अध्यापकों का आपस में किसी विषय से संबंधित टकराव न हो।

(VI) सहगामी गतिविधियों से संबंधित समय-सारिणी

बच्चों सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ निरंतर सहगामी गतिविधियों का संचालन किया जा सके। इन क्रियाओं को अब केवल अतिरिक्त नहीं मानते बल्कि ये विद्यालय कार्यक्रम का एक अटूट अंग है।

(VII) गृहकार्य के लिए समय सारिणी

समय-सारिणी में प्रत्येक कक्षा के आखिरी कालांश में डायरी जाँच की जाए और उसमें जो कठिन विषय से संबंधित समस्या गृहकार्य के रूप में है उसको हल किया जाए।

सहगामी गतिविधियाँ :-

इन गतिविधियों को एक समय में अतिरिक्त गतिविधियाँ माना जाता था। लेकिन दर्शन शास्त्र में परिवर्तन के कारण बच्चे के विकास के लिए जो क्रियाकलाप करवाए जाते हैं वे सभी सहगामी गतिविधियों में शामिल किए जाते हैं। आज पाठ्यक्रम का विस्तृत अर्थ है सही रूप से शिक्षा प्राप्ति के साथ-साथ बच्चों को सहगामी क्रियाओं में अग्रसर किया जाए। आधुनिक शिक्षा शास्त्रियों का मानना है कि शिक्षा के माध्यम से बच्चों का शारीरिक, मानसिक, नैतिक, सामाजिक, भावात्मक और सांस्कृतिक विकास हो और यह तभी सम्भव हो सकता है जब पाठ्यक्रम के साथ यह अन्य सहगामी क्रियाएँ भी समय-2 पर करवाई जाए।

Scanned with CamScanner

सहगामी गतिविधियों के प्रकार :-

(1.) शारीरिक विकास के लिए उचित क्रियाकलाप करवाएँ जाए।

(2) साहित्य एवं ज्ञान के विकास के लिए भाषण प्रतियोगिता, व्याख्यान, नाटक, निबंध, प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए।

(3) रचनात्मक, अनुभूति एवं सांस्कृतिक विकास के लिए लोक संगीत, मुर्तिकला, नृत्य आदि क्रियाकलापों का आयोजन।

(4) मनोरंजन के लिए जैसे धार्मिक स्थानों की यात्रा, प्रदर्शनियों का आयोजन, पिकनिक का आयोजन किया जाए।

(5) समाज सेवा संबंधित क्रियाकलाप जैसे सामूहिक सफाई का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना, प्राथमिक चिकित्सा संबंधी जानकारी के कैम्प लगाना।

पाठ्य सहगामी क्रियाओं का महत्व :-

(1) पाठ्य - सामग्री क्रियाएँ शरीर को समायोजित एवं संतुलित करने में सहायक है।

(2) विभिन्न क्रियाओं के माध्यम से बच्चों में सामाजिक विकास होता है।

(3) बच्चों में नेतृत्व की भावना का विकास होता है।

Scanned with CamScanner

(4) स्वंय को निर्देशित करने की भावना का विकास होता है।

(5) सहगामी गतिविधियाँ शैक्षणिक विकास के साथ - साथ व्यक्तित्व विकास में सहायक है।

(6) इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में कौशलात्मक शक्तियों का विकास होता है।

(7) नैतिक विकास में सहायक।

Scanned with CamScanner

बाल सभा :-

बाल सभा का अर्थ है बच्चों की सभा। अपनी दिनचर्या में पढ़ते हुए कुछ मनोरंजन चाहते हैं। इसलिए शनिवार का दिन बाल सभा के लिए रखा जाता है। इस बाल सभा के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा व व्यक्तित्व, का विकास करना है। विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों का आयोजन प्रधानाचार्य व अध्यापकगण की देख-रेख में किया जाता है हमने अपने शिक्षण अभ्यास के दौरान शनिवार को बाल-सभा का आयोजन किया।

इसमें छठी व सातवी कक्षा के बच्चों ने स्वच्छता अभियान व कन्या भ्रूण हत्या पर एक व्याख्यान रखा। बच्चों ने शुरू मे कम उत्साह दिखाया परंतु अध्यापकों के प्रोत्साहन से बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके अंत में प्रधानाचार्य ने सभी बच्चों को प्रोत्साहन प्रदान किया।

Scanned with CamScanner

:- गृहकार्य Homework :-

शिक्षण कार्य के बाद शिक्षा में विद्यार्थियों से अध्ययन सामग्री से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं ताकि यह ज्ञात हो जाए कि विद्यार्थियों ने कितना ग्रहण किया। पाठ की पुनरावृत्ति के पश्चात प्रत्येक अध्यापक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को गृहकार्य देता है। गृहकार्य मौखिक व लिखित दोनों रूपों में होता है। गृहकार्य से विद्यार्थी अपने विषय को अधिक सुगमता से पूर्ण कर लेते हैं यह गृहकार्य बच्चों को शिक्षा में निरंतर जोड़े रखता है।

गृहकार्य के लाभ;

(1) अध्यापक के बिना मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है।

(2) प्रतिदिन काम करने की आदत का विकास होता है।

(3) इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग करते हैं।

(4) गृहकार्य कक्षा कार्य का पूरक होता है।

(5) गृहकार्य विद्यार्थियों को दोहराने की कला का भी विकास करता है।

Scanned with CamScanner

हानियाँ ;

(1) अत्यधिक गृहकार्य से सामाजिक क्रियाओं के लिए समय का प्रावधान या अभाव।
(2) सृजनात्मकता और खेल क्षमता का कम होना।
(3) स्वास्थ्य पर अत्यधिक प्रभाव।

कक्षा - छठी (गृहकार्य)

हिन्दी ;- (1) क्रिया व उसके प्रकारों को चार्ट पर दर्शाइए।
(2) कन्या भ्रूण हत्या पर निबंध लिखो।

अंग्रेजी ;-

(1) Define Noun & its kinds.
(2) What is Pronoun definition of Personal Pronoun

गणित ;-

(1) Principle - 5000, Rate - 5% Time - 3 year
Find out Simple interest?

(2)
Principle - 6000 Rs/-, Rate 10% Time - 3 year
Find the compound Interest?

संस्कृत ;-
(1) श्लोकों की व्याख्या भावार्थ सहित कॉपी में लिखिए।
(2) पठ् धातु के सभी लकार याद करे व लिखें।

Scanned with CamScanner

विज्ञान:- (1) रदरफोर्ड मॉडल चार्ट को चित्र सहित दर्शाइए।
(2) कार्य व ऊर्जा के बारे में संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

सामाजिक:- (1) फ्रांसीसी क्रांति व उसकी विशेषताओं का अध्ययन करना।
(2) अहमदशाह अब्दाली व मराठों के बीच लड़ाई क्यों हुई? कारण बताए।

गृहकार्य (कक्षा - सांतवी)

हिन्दी:- (1) संधि व उसके भेदों को चार्ट पर चित्र सहित दर्शाइए।
(2) क्रिया विशेषण व उसके प्रकारों के बारे में बताइए।

गणित:-
(1) त्रिभुज के प्रकारों को चार्ट पर चित्र सहित दर्शाइए।
(2) भुजाओं के आधार पर
(3) कोणों के आधार पर विषमबाहु त्रिभुज का परिणाम क्या होता है।

अंग्रेजी:-
(1) Find out the active Article
(a) He is _____ M.L.A
(b) He is ______ good bye.
(c) How we can convert active voice in Passive voice.

Teacher's Signature ______________

Date ____________

Expt. No. ____________

संस्कृत ;-

(1) लता व राम का रूप याद करना।

(2) गच्छ धातु के लृट व लट लकार याद करना।

सामाजिक ;-

(1) चावल की भौगोलिक परिस्थितियों का वर्णन किजिए।

(2) ग्राम पचांयत व उसके कार्यों का वर्णन किजिए।

विज्ञान ;-

(1) गतिज ऊर्जा, स्थितिज ऊर्जा का एक-एक उदाहरण दीजिए।

(2) आँख का चित्र सहित वर्णन किजिए।

Teacher's Signature ____________

Scanned with CamScanner

Homework class - 8th

HINDI -

(1) समास व उसके भेदों का वर्णन करें।
(2) बेरोजगारी की समस्या या आतंकवाद पर निबंध लिखो।

Math ;- (1) Write down the formulas of square rectangle, triangle, cube, cuboid.
(2) Find the side of square whose perimeter is 28?

English ;- (1) He said to me, "I am going to school
(2) Write down 100 words on Environment pollution.

Sanskrit ;- (1) पाठ - 5 का अनुवाद कॉपी में करना।
(2) अस् धातु के सभी लकार याद करना।

Science ;- (1) मिट्टी के प्रकारों का वर्णन करो।
(2) Explain water cycle with diagram.

Social-Science :- (1) मौसम व उसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।
(2) रूस की क्रांति पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

Scanned with CamScanner

:हाजिरी अभिलेख :-

प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों का हाजिरी रजिस्टर होना आवश्यक है। ये रजिस्टर कक्षा इंचार्ज के पास होता है। जिसमे विद्यार्थियों के नाम लिखे जाते हैं। अध्यापक द्वारा प्रतिदिन विद्यार्थियों की हाजिरी लगाई जाती है। इसमें उपस्थित विद्यार्थियों के आगे P और अनुपस्थित के आगे A इसके साथ - साथ प्रार्थना - पत्र के लिए दो खाने होते हैं। अध्यापक दो समय हाजिरी लगाता है प्रातः काल व आधी छुट्टी के बाद यदि कोई विद्यार्थी अपनी छुट्टी स्वीकृत कराए बिना 6 दिन अनुपस्थित रहता है तो उसका नाम काट दिया जाता है। मास के पूरे पृष्ठ का सार निकालकर सबंधित स्थान पर लिख दिया जाता है।

कर्मचारी वर्ग के लिए हाजिरी रजिस्टर;

कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति का निरक्षण करना मुख्याध्यापक का कर्तव्य है और इस कर्तव्य के लिए एक रजिस्टर रखा जाता है जिसमें कर्मचारी वर्ग के नाम लिखे जाते हैं। प्रत्येक कर्मचारी को अपने नाम के नीचे आने व जाने के हस्ताक्षर करने पड़ते हैं।

Scanned with CamScanner

स्टॉक रजिस्टर ;
स्कूल का सारा सामान एक रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। जिसे स्टॉक रजिस्टर कहते हैं इस स्टॉक रजिस्टर में विद्यालय की सामग्री का सम्पूर्ण विवरण दिया गया है।

:दाखिला रजिस्टर :-, दाखिला खारिज रजिस्टर :-

यह स्कूल का अत्यंत महत्वपूर्ण रजिस्टर होता है। जिसमें विद्यार्थी के स्कूल में दाखिला लेने संबंधित व स्कूल छोड़ने संबंधित सभी बातें लिखी जाती है।

स्कूल कलेण्डर ;- जिस प्रकार कलेण्डर में तिथियों महीनों, दिन आदि दिए जाते हैं। उसी प्रकार स्कूलों में समूचे वर्ष की क्रियाओं को प्रतिबिंबित किया जाता है। यह शुरुआत में ही निर्मित किया जाता है जो विद्यालय की संपूर्ण जानकारी प्राप्त करता है।

सचंयी अभिलेख पत्र :-
संचित अभिलेख प्रत्येक विद्यार्थी की विधिवत जानकारी प्रदान करता है।